43 कापी राइट सुरक्षित

दिल्ली विश्वविद्यालय

बी०ए० आनर्स (हिंदी) का पाठ्यक्रम

AUTHENTICATED COPY
Assistant Registrar (Genl)
University of Delhi

प्रथम वर्ष : परीक्षा 1983
द्वितीय वर्ष : परीक्षा 1984
तृतीय वर्ष : परीक्षा 1985

COMPLIMENTARY COPY

शिक्षा वर्ष 1982-83 में बी०ए० आनर्स हिंदी में प्रवेश लेने
वाले छात्रों के लिए

50 P

बी०ए० (आनर्स)–हिंदी

(क) बी०ए० आनर्स (हिन्दी) के परीक्षाक्रम में कुल ८ प्रश्नपत्र होंगे (दो प्रथम वर्ष में, दो द्वितीय वर्ष में और चार तृतीय वर्ष में)।

(ख) प्रत्येक प्रश्नपत्र : ३ घंटे का होगा और पूर्णांक १०० होंगे।

(ग) पाठ्यक्रम का विभाजन इस प्रकार होगा :

प्रथम वर्ष–1983

प्रथम प्रश्नपत्र : हिंदी कविता : (पूर्व मध्यकाल) 100 अंक ३ घंटे

द्वितीय प्रश्नपत्र : (क) हिंदी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल से रीतिकाल तक) 50 अंक
(ख) उपन्यास : गोदान (प्रेमचन्द), 50 अंक } ३ घंटे
मृगनयनी (वृन्दावनलाल वर्मा)

द्वितीय वर्ष– 1984

तृतीय प्रश्नपत्र : हिंदी-कविता (उत्तरमध्यकाल से द्विवेदी-युग तक)

चतुर्थ प्रश्नपत्र (क) हिंदी-साहित्य का इतिहास
(आधुनिक काल) 50 अंक
(ख) निबंध तथा कहानी 50 अंक } 3 घंटे

तृतीय वर्ष–1985

पंचम प्रश्नपत्र : साहित्य-सिद्धान्त 100 अंक 3 घंटे

षष्ठ प्रश्नपत्र : हिंदी-कविता (छायावादी और छायावादोत्तर काल) 100 अंक 3 घंटे

सप्तम प्रश्नपत्र : (क) नाटक तथा गद्य 100 अंक 3 घंटे

अष्टम प्रश्नपत्र : विशेष अध्ययन 100 अंक 3 घंटे

तुलसीदास अथवा केशवदास अथवा कवि प्रसाद
अथवा नाटककार भारतेंदु अथवा कहानीकार
प्रेमचन्द अथवा संस्कृत (उन छात्रों के लिए जिन्होंने

सब्सिडियरी विषय के रूप में संस्कृत नहीं ली है)

पाठ्यक्रम का प्रश्नपत्रानुसार विवरण :

प्रथम वर्ष 1983

प्रथम प्रश्नपत्र : हिंदी कविता : (पूर्व-मध्यकाल)

1. कबीर-वाणी-पीयूष-सं० जयदेव सिंह तथा वासुदेव सिंह (सुमिरन की अंग, विरह की अंग, ज्ञान-विरह की अंग, मन की अंग, सूक्ष्म मारग की अंग, माया की अंग)।
2. चित्रावली (उसमान)
   (कथा-खंड, महादेव-खंड, जन्म खण्ड, चित्र-दर्शन-खंड)
3. सूरसागर-सार (श्रीरेन्द्र वर्मा)
   (विनय तथा भक्ति : 2, 18, 23, 24, 25, 37, 38, 42, 46, 53, गोकुल-लीला : 3, 7, 13, 16, 19, 27, 35, 45, 56, 60, वृन्दावन-लीला : 3, 10, 14, 20, 24, 31, 38, 42, 73, 80, 97, 110, 116, 131, 145, 149, 151, 158, 166, राधा-कृष्ण : 1, 2, 11, 15, 32, 46, 57, 95, 100, 108, 113, 114, 150, 152, मथुरा-गमन : 7, 11, 20, 23, 29, 35, 44, 52, 58, 62, 64, 68, 75, 76, 87, 93, 101 104, 105, 110, उद्धव संदेश, 12, 17, 32, 34, 45, 50, 75, 86, 102, 119, 160, 168, 175, 181, 187, द्वारिका-चरित्र : 1, 7, 11, 18, 25, 32, 35, 47, 49, 53)
4. कवितावली (तुलसीदास) (लंकाकांड तक)
5. मीराबाई की पदावली—सं० परशुराम चतुर्वेदी (प्रथम खंड)
   (हिंदी साहित्य सम्मेलन के 1970 के संस्करण से)।

सहायक पुस्तकें

कबीर (सं० विजयेंद्र स्नातक)
कबीर (हजारी प्रसाद द्विवेदी)
डा० बड़थ्वाल के श्रेष्ठ निबंध (स० गोविंद चातक)
सूफीमत : साधना और साहित्य (रामपूजन तिवारी)
हिंदी-सुफी-काव्य का समग्र अनुशीलन (शिवसहाय पाठक)
हिंदी-सूफी-काव्य-विमर्श (श्याममनोहर पाण्डेय)
भारती साधना और सूर-साहित्य (मुंशीराम शर्मा 'सोम')

सूर की काव्य-कला (मनममोहन गौतम)
गोस्वामी तुलसीदास (रामचन्द्र शुक्ल)
विश्वकवि तुलसी और उनके काव्य (रामप्रसाद मिश्र)
तुलसीदास और उनके काव्य (रामदत्त भारद्वाज)
मीरा : व्यक्तित्व और कृतित्व (पद्मावती)
मीरा की भक्ति और उनके काव्य—साधना का अनुशीलन (भगवानदास तिवारी)
हिंदी-काव्य और उसका सौंदर्य (ओमप्रकाश)

द्वितीय प्रश्नपत्र : (क) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

सहायक पुस्तकें :

हिंदी-साहित्य का इतिहास (रामचन्द्र शुक्ल)
हिंदी-साहित्य का अतीत (दोनों भाग) (विश्वनाथप्रसाद मिश्र)
हिंदी-साहित्य का इतिहास (सं० नगेंद्र, सुरेशचंद्र गुप्त)
हिंदी-साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास (रामकुमार वर्मा)
(ख) उपन्यास-गोदान (प्रेमचंद्र), मृगनयनी (वृंदावनलाल वर्मा)

सहायक पुस्तकें :

प्रेमचंद और उनका युग (रामविलास शर्मा)
गोदान के अध्ययन की समस्याएँ (गोपाल राय)
प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान (कमलकिशोर गोयनका)
उपन्यासकार वृन्दानलाल वर्मा (शशिभूषण सिंहल)

द्वितीय वर्ष 1984

तृतीय प्रश्न पत्र : हिंदी-कविता (उत्तरमध्यकाल से द्विवेदी -युग तक)

1. हिंदी-रीति-साहित्य (सं० भगीरथ मिश्र)
   (केवल मतिराम, बिहारी, देव और घनानंद की कविताएँ)
2. उद्धवशतक (जगन्नाथदास 'रत्नाकर')
   (प्रथम 50 कवित्त)
3. प्रियप्रवास (अयोध्यासिंह उपाध्याय)
   (केवल पंचम, षष्ठ, और सप्तम वर्ग)

सहायक पुस्तकें :

1. महाकवि मतिराम (त्रिभुवन सिंह)
2. बिहारी (सं० ओमप्रकाश)
3. देव और उनकी कविता (नगेन्द्र)

4. घनानंद और स्वच्छंदकाव्यधारा (मनोहरलाल गौड़)
5. कविवर रत्नाकर (कृष्णशंकर शुक्ल)
6. रत्नाकर—उनकी प्रतिभा और कला (विश्वंभरनाथ भट्ट)
7. प्रियप्रवास में काव्य, संस्कृति और दर्शन (द्वारिकाप्रसाद सक्सेना)

चतुर्थ प्रश्नपत्र : (क) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

सहायक पुस्तकें :

1. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास (कृष्णशंकर शुक्ल)
2. आधुनिक साहित्य (नंददुलारे वाजपेयी)
3. हिंदी वाङ्मय : बीसवीं शताब्दी (सं० नरेन्द्र)

(ख) निबंध :

1. कविता क्या है ? (रामचंद्र शुक्ल)
2. नव्यतम समीक्षा-शैलियाँ (नंददुलारे वाजपेयी)
3. साहित्य का मर्म (हजारी प्रसाद द्विवेदी)
4. छायावाद का उत्कर्ष (शांतिप्रिय द्विवेदी)
5. मन का ओज और काव्य का रस (लक्ष्मीनारायण 'सुधांशु')
6. मेरी साहित्यिक मान्यताएँ (नगेन्द्र)
7. साहित्य और संस्कृति (देवराज)

(ग) कहानी :

1. कफन (प्रेमचंद)
2. उसने कहा था (चंद्रधर शर्मा गुलेरी)
3. कानों में कँगना (राजा राधिकारमणप्रसाद सिंह)
4. रेल की रात (इलाचंद्र जोशी,)
5. मक्रोल (यशपाल)
6. तत्सत् (जैनेन्द्र कुमार)
7. विपथगा (अज्ञेय)
8. सावुन (ब्रजेन्द्रनाथ मिश्र 'निर्गुण')

तृतीय वर्ष 1985

पंचम प्रश्नपत्र : साहित्य सिद्धान्त

(क) 1. साहित्य का स्वरूप, काव्य लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन
2. रस : रस के अंग, रस का स्वरूप, रसनिष्पत्ति, साधारणकिरण
3. ध्वनि : ध्वनि का लक्षण, ध्वनि के आधार पर काव्य के तीन प्रमुख भेद ।
4. शब्द शक्ति — 40 अंक

(ख) अलंकार : अलंकार का लक्षण, काव्य में अलंकार का स्थान
प्रमुख अलंकारों के लक्षण-उदाहरण :

अनुप्रास (छेक वृत्तिः लाट) यमक, वक्रोक्ति, श्लेष, उपमा (पूर्णा, लुप्ता, माला), रूपक (सांग, निरंग, परम्परित), अनन्वय, उत्प्रेक्षा अपन्हुति (छह भेद), अतिशयोक्ति (भेदक, अक्रम, रूपक), व्यतिरेक, प्रतोप, विभावना, विशेषोक्ति, असंगति, अर्थांतरन्यास, काव्यलिंग, दृष्टांत, प्रतिवस्तूपमा, उदाहरण, दीपक, तुल्योगिता, विरोधाभास, अन्योक्ति, अप्रस्तुत-प्रशंसा, समासोक्ति, स्वभावोक्ति, व्याजस्तुति, भ्रम, संदेह, यथासंख्य, परिसंख्या, निदर्शना, परिकर, मानवीकरण, विशेषण-विपर्यय, ध्वन्यर्थ व्यंजना । — 20 अंक

(ग) साहित्य विधाएँ : नाटक, एकाँकी, गीतिकाव्य, खंडकाव्य, महाकाव्य, कहानी, उपन्यास, निबंध, आलोचना, रेखाचित्र, संस्मरण । — 40 अंक

सहायक पुस्तकें :-

1. काव्य के रूप (गुलाबराय)
2. सिद्धांत और अध्ययन (गुलाबराय)
3. काव्यदर्पण (रामदहिन मिश्र)
4. काव्यांग विवेचन (भगीरथ मिश्र)
5. भारतीय काव्यांग (सत्यदेव चौधरी)
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत (शांतिस्वरूप गुप्त)

षष्ठ प्रश्नपत्र – हिंदी कविता (छायावादी और छायावादोत्तर)

1. यशोधरा–मैथिलीशरण गुप्त
2. आधुनिक कवि—सुमित्रानंदन पंत (मोह, स्नेह, उच्छवास की बालिका, आँसू की बालिका, आँसू से, ग्रंथि से, बादल, मौन निमन्त्रण, निष्ठुर-परिवर्तन, सुख-दुख, नौकाविहार, ताज, महात्मा जी के प्रति । –(13 कविताएँ)

3. लहर – जयशंकर प्रसाद (उठ-उठ री, निज अलकों के, मधुप गुनगुना, अरी वरुणा की, ले चल वहां, आह रे वह, मेरी आंखों की, जगती की मंगलमयी, चिर तृषित कंठ, काली आंखों का, अरे, कहीं देखा, अशोक की चिन्ता, पेशोला की प्रतिध्वनि, प्रलय की छाया (14 कविताएँ)
4. कुरुक्षेत्र—रामधारी सिंह दिनकर
   (1980 संस्करण, राजपाल एंड संस, दिल्ली) षष्ठ सर्ग को छोड़कर)
5. कवितांतर—डा० जगदीश गुप्त
   (1979 संस्करण, ग्रन्थम, रामबाग, कानपुर)
   (केवल अज्ञेय और भवानीप्रसाद मिश्र)

सहायक पुस्तकें :

1. गुप्त जी की काव्यसाधना (उमाकांत गोयल)
2. सुमित्रानंदन पंत (नगेन्द्र)
3. प्रसाद का काव्य (प्रेमशंकर)
4. युगचारण दिनकर (सावित्री सिन्हा)
5. पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण (रामधारी सिंह दिनकर)

सप्तम प्रश्नपत्र –: नाटक तथा गद्य

1. चंद्रगुप्त – जयशंकर प्रसाद
2. संशय की एक रात - नरेश मेहता
3. प्रतिनिधि एकांकी -- उपेंद्रनाथ अश्क
4. अतीत के चलचित्र -- महादेवी वर्मा
5. दस तसवीरें -- जगदीशचंद्र माथुर

सहायक पुस्तकें :

1. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन (जगन्नाथप्रसाद शर्मा)
2. प्रसाद के नाटकों का ऐतिहासिक एंव सांस्कृतिक विवेचन (जगदीश-चंद्र जोशी)
3. हिंदी एकांकी की शिल्प विधि का विकास (सिद्धनाथ कुमार)
4. महादेवी का गद्य (सूर्यप्रकाश दीक्षित)
5. महादेवी वर्मा के रेखाचित्र (अक्खनलाल शर्मा)

अष्टम प्रश्नपत्र - विशेष अध्ययन

(निम्नलिखित किसी एक साहित्यकार का विशेष अध्ययन)

(क) तुलसीदास (व्याख्या केवल रामचरितमानस बालकांड दोंहा 192 से अंत तक तथा गीतावली से)

सहायक पुस्तकें:

1. गोस्वामी तुलसीदास (श्यामसुंदरदास)
2. गोस्वामी तुलसीदास (रामचंद्र शुक्ल)
3. तुलयीदास और उनका युग (राजपति दीक्षित)
4. तुलसीदास की कारयित्री प्रतिभा (श्रीधर सिंह)
5. हिंदी पद परम्परा और तुलसीदास (वचनदेव कुमार)
6. तुलसी (उदयभानु सिंह)

(ख) केशवदास (व्याख्या केवल रामचन्द्रिका—पूर्वार्ध से)

सहायक पुस्तकें :

1. केशव को काव्य कला (कृष्णशंकर शुक्ल)
2. आचार्य केशवदास (हीरालाल दीक्षित)
3. केशव और उनका साहित्य (विजयपाल सिंह)
4. रामचन्द्रिका का विशिष्ट अध्ययन (गार्गी गुप्त)

(ग) कवि प्रसाद (व्याख्या केवल प्रेम पथिक, महाराणा का महत्व, कानन कुसम, झरना तथा आंसू से)

सहायक पुस्तकें :

1. जयशंकर प्रसाद (नंददुलारे वाजपेयी)
2. आंसू तथा अन्य कविताएँ (विनयमोहन शर्मा)
3. जयशंकर प्रसाद वस्तु और कला (रामेश्वरलाल खंडेलवाल)
4. प्रसाद का काव्य (प्रेमशंकर)
5. महाकवि प्रसाद (विजयेन्द्र स्नातक)

(घ) नाटककार भारतेन्दु (व्याख्या केवल—पाखंड विडम्बन, वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति, प्रेम जोगिनी, विषस्य विषमौषधम, भारतदुर्दशा, भारत जननी, नीलदेवी, अंधेर नगरी, सती प्रताप-नामक नाटकों से)

सहायक पुस्तकें :

1. भारतेन्दु हरिश्चंद (लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय)
2. भारतेन्दु के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन (गोपीनाथ तिवारी)
3. भारतेन्दु का नाट्य साहित्य (वीरेन्द्र कुमार शुक्ल)
4. भारतेन्दु के नाटक (भानुदेव शुक्ल)
5 भारतेन्दु ग्रन्थावली, पहला खंड (नागरी प्रचारिणी सभा)

(ङ.) कहानीकार प्रेमचंद — व्याख्या केवल प्रेमपचीसी, प्रेमदवादशी तथा प्रेमतीर्थ से)

सहायक पुस्तकें :

1. प्रेमचंद और उनका युग (रामविलास शर्मा)
2. प्रेमचंद : एक विवेचन (इंद्रनाथ मदान)
3. प्रेमचंद : एक विवेचन (सुरेश सिन्हा)
4. प्रेमचंद (सं० सत्येन्द्र)

पूर्णांक 100

(च) संस्कृत

1. रघुवंशम्—चतुर्दश सर्ग (कालिदास) 25
2. कादम्बरी—केवल शुकनासोपदेश (बाणभट्ट) 25
3. उरुभङ्गम् — (भास) 25
4. व्याकरण
   (क) कारक 10
   (ख) समास — (निर्धारित पुस्तकों के आधार पर केवल विग्रह और नाम) 5
   (ग) निर्धारित पुस्तकों में से पद-परिचय 10

विशेष टिप्पणीं — निर्धारित पुस्तकों के रचयिताओं से सम्बद्ध प्रश्न भी पूछे जायेंगे ।

व्याकरण की प्रस्तावित पुस्तकें

1. निबन्धपथ — प्रदर्शिका — आप्टे
2. संस्कृत — व्याकरण — (एम०आर० काले)
3. संस्कृत व्याकरण — (कपिल देव द्विवेदी)

Maitreyi College Library Netaji Nagar, New Delhi
Acc. No. 54-54

D.U.P. 424—6-82—350+50